DATE

पाठ 9 मिले सुर मेरा तुम्हारा

महान शास्त्रीय गायक पंडित भीमसेन जोशी के जीवन संघर्ष और उपलब्धियों से परिचित करवाना।

सुलेखन शब्द (12)

गायकी	गुरु	शिष्य	सम्मानित
संगीत	रेकॉर्ड	धरोहर	सप्तक
शिक्षा	स्वर	रेडियो	विवश

पाठ (५) मिले सुर मेरा तुम्हारा

पाठ मूल्यांकन
अभ्यास

पाठ-चर्चा Textual Literacy

Speaking Skills

बताओ—

1. पंडित भीमसेन जोशी का जन्म कहाँ हुआ था?
उ. पंडित भीमसेन जोशी का जन्म उत्तरी कर्नाटक के गडाग ज़िले में हुआ था।
2. पंडित जोशी का पहला ग्रामोफ़ोन रेकॉर्ड कब आया?
उ. बीसवीं सदी के चालीसवें दशक के शुरू में पंडित भीमसेन जोशी का पहला ग्रामोफ़ोन रेकॉर्ड आया।
3. संगीत के अलावा पंडित जी और किसमें रुचि लेते थे?
उ. संगीत के अलावा पंडित जी कार चलाने में रुचि लेते थे।

Writing Skills

लिखो—

क. पाठांश comprehension

पाठांश को पढ़कर रिक्त स्थानों में उचित शब्द लिखो—

संगीत की .... कहाँ-कहाँ।

1. पंडित जी क्या हासिल करने के लिए घर से निकल पड़े?
उ. पंडित जी ·····संगीत····· की शिक्षा हासिल करने के लिए घर से निकल पड़े।
2. पंडित जी के पास क्या नहीं था?
उ. पंडित जी के पास ·····पैसे····· नहीं थे।
3. युवा गायक क्यों घूमा-भटका?
उ. युवा गायक ·····संगीत सीखने····· के लिए घूमा-भटका।

ख. अधिकतम शब्दों में in maximum words—

1. पंडित जी को कब और कैसे लगा कि उन्हें बस गाना ही सीखना है?
उ. एक बार स्कूल जाते समय पंडित जी ने रेकॉर्डों की एक दुकान पर राग झिंझोटी में उस्ताद अब्दुल करीम खाँ की सुमधुर गायकी सुनी। उन्हें तभी लग गया कि बस अब गाना ही सीखना है।
2. पंडित जी ने जिन संगीतकारों से संगीत सीखा उनमें से किन्हीं दो के नाम लिखो।
उ. हाफ़िज़ अली खाँ और सवाई गंधर्व।
3. पंडित जी ने सवाई गंधर्व से कौन-कौन से राग सीखे?
उ. पंडित जी ने सवाई गंधर्व से पाँच साल तक तीन राग—तोड़ी, मुल्तानी और पूरिया सीखे।
4. आज भी टी.वी. पर पंडित जी क्या करते नज़र आते हैं?
उ. आज भी पंडित जी किसी न किसी टी.वी. चैनल पर 'मिले सुर मेरा तुम्हारा, तो सुर बने हमारा' गीत की शुरुआत करते नज़र आते हैं।

Analytical Skills

मूल्याधारित प्रश्न VBQs

1. आप शास्त्रीय संगीत के बारे में क्या जानते हैं? लिखो।
उ. भारतीय शास्त्रीय संगीत भारतीय संगीत का मुख्य अंग है। इसे अंग्रेज़ी में 'क्लासिकल म्यूज़िक' (Classical music) भी कहते हैं। शास्त्रीय संगीत ध्वनि प्रधान है, शब्द प्रधान नहीं। आज से लगभग तीन हज़ार वर्ष पूर्व रचे गए वेदों को संगीत का मूल स्रोत माना जाता है। भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपरा भरतमुनि के नाट्यशास्त्र और उससे पहले सामवेद के गायन तक जाती है।

2. एक कलाकार में किन गुणों का होना आवश्यक है?
उ. एक कलाकार में परिश्रम, लगन, निष्ठा, अभ्यास, प्रशिक्षण, त्याग, समर्पण और एकाग्रता का होना आवश्यक है।

3. क्या संगीत और अनुशासन में कोई संबंध है? लिखो। **HOTS**
उ. संगीत और अनुशासन में गहरा संबंध है। ये दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। संगीत की साधना के लिए अनुशासन आवश्यक है। अनुशासित रहकर ही संगीत में निपुणता प्राप्त की जा सकती है। यह भी कहा जाता है कि संगीत हमें अनुशासन सिखाता है।

भाषा-सरिता Language

Thinking Skills

1. **बॉक्स में दिए शब्दों में से उचित शब्द छाँटकर रिक्त स्थान भरो —**

क.	संगीत जाननेवाला	···संगीतज्ञ···	**घ.**	किसी वाद्य को बजानेवाला	···वादक·····
ख.	नृत्य करनेवाला	···नर्तक······	**ङ**	शास्त्र से संबंधित	···शास्त्रीय···
ग.	गीत गानेवाला	···गायक·····	**च.**	गीत लिखनेवाला	···गीतकार·····

2. **उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो—**

क. मैं सीखने के लिए ····ही···· मुंबई आया हूँ।

ख. यदि तुम ····भी···· मेरे साथ चलो ····तो···· अच्छा रहेगा।

ग. मुझे कहाँ ····तक···· जाना होगा?

घ. उम्दा कद-काठी के थे और सुंदर ····तो···· वे थे ही।

3. **दिए गए वाक्यों की पूर्ति विशेषणों की उचित अवस्थाओं से करो—**

क. आज तापमान अपने ···उच्चतम··· (उच्च) बिंदु पर था।

ख. महँगाई ···न्यूनतम··· (न्यून) स्तर पर पहुँच गई है।

ग. रुई से भी ···कोमलतर··· (कोमल) मन होता है।

घ. विश्व में ···अधिकतर··· (अधिक) लोग ईश्वर पर विश्वास रखते हैं।

ङ भूमध्य रेखा के आस-पास गरमी ···अधिकतम··· (अधिक) होती है।

4. **दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर नुकता लगाकर शब्द दोबारा लिखो—**

बरफ	···बरफ़···	रोज	···रोज़···	सब्जी	···सब्ज़ी···	जहर	···ज़हर···
तूफान	···तूफ़ान···	कागज	···कागज़···	लिफाफा	···लिफ़ाफ़ा···	जरूरत	···ज़रूरत···

5. **अलग-अलग अर्थ देते वाक्य बनाओ—**

क. फ़न — कलाबाज़ियाँ खाना एक **फ़न** है जो हर किसी को नहीं आता।
फन — साँप ने अपना **फन** फैलाकर आक्रमण किया।

ख. राज़ — किले में छिपे खज़ाने का **राज़** कोई न जान पाया।
राज — अकबर ने तीस वर्षों से अधिक भारत पर **राज** किया।

ग. ज़रा — **ज़रा** हटना, मुझे जाना है।
जरा — सिद्धार्थ ने बचपन, यौवन और **जरा** अवस्था के दुखों को जाना।